

अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त -सह- विशेष सचिव का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

पत्रांक- प्र०-11-पथ संधारण (डो०)-19-09/2016

पटना, दिनांक

प्रेषक,

783(E) 2.2.16

लक्ष्मी नारायण दास,
अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

सेवा में,

कार्यापालक अभियंता,
सभी पथ प्रमंडल,
पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

विषय- OPRMC के अन्तर्गत फ्लैक के संधारण में विशेष सर्तकता बरतने के संबंध में।

प्रसंग :- दिनांक-10/12/15 एवं 11/12/15 को आहूत बैठक की कार्यवाही।


महाशय,

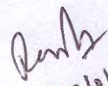
उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि प्रधान सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार की अध्यक्षता में दिनांक-10/12/15 एवं 11/12/15 को विश्वेश्वरैया भवन अवस्थित सभागर कक्ष में समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान पथों के फ्लैक के संधारण में शिकायतों पर विमर्श किया गया। फ्लैक के संधारण में काफी शिकायतें पायी गई हैं जो चिन्ता का विषय हैं। बैठक में यह भी निदेश दिया गया था की फ्लैक के संधारण में और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

निदेश दिया जाता है कि पथों के फ्लैक को सेवा स्तर के अनुरूप संधारित रखने हेतु विशेष सर्तकता बरती जाय। पथों के निरीक्षण प्रतिवेदनों में भी पथों के फ्लैक में त्रुटियों पर विशेष रूप से उल्लेख किया जाय।


उपर्युक्त निर्देश का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

विश्वासभाजन

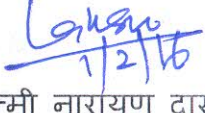

(लक्ष्मी नारायण दास)


29/01/16

जापांक: प्र०-११-पथ संधारण (डी०)-१९-०९/२०१६ ७८३ (E) दिनांक...२.२.१६
प्रतिलिपि: मुख्य अभियंता (या०), उत्तर बिहार उपभाग, पथ निर्माण विभाग एवं मुख्य अभियंता
(या०), दक्षिण बिहार उपभाग, पथ निर्माण विभाग, पटना एवं उनके अधीनस्थ सभी पथ अंचलों के
सभी अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।


(लक्ष्मी नारायण दास)

जापांक: प्र०-११-पथ संधारण (डी०)-१९-०९/२०१६ ७८३ (E) दिनांक...२.२.१६
प्रतिलिपि: नोडल पदाधिकारी (OPRMC), पथ निर्माण विभाग को सूचनार्थ प्रेषित।


(लक्ष्मी नारायण दास)

जापांक: प्र०-११-पथ संधारण (डी०)-१९-०९/२०१६ ७८३ (E) दिनांक...२.२.१६
प्रतिलिपि: अधीक्षण अभियंता (अनुश्रवण), पथ निर्माण विभाग को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई
हेतु प्रेषित। उक्त पत्र को ई-मेल द्वारा सभी संबंधित को प्रेषित करने तथा विभागीय वेबसाईट पर
प्रदर्शित करने की कृपा करें।


(लक्ष्मी नारायण दास)


२९/०१/१६